



प्रीलमिस फैक्ट्स : 19 फरवरी, 2018

अंतर्राष्ट्रीय थिएटर ओलंपिक्स

उपराष्ट्रपति श्री एम. वैकैया नायडू ने 18 फरवरी को लाल कलि में 8वें अंतर्राष्ट्रीय थिएटर ओलंपिक्स का उद्घाटन किया।

थीम

- 8वें अंतर्राष्ट्रीय थिएटर ओलंपिक्स की थीम 'मैत्री का ध्वज' है।
- इसका लक्ष्य देशों के मध्य वदियमान सीमाओं की दूरियों को पाटना और थिएटर कला के माध्यम से वभिन्न संस्कृतियों, मान्यताओं तथा वचारधाराओं को एक साथ लाना है।

प्रमुख बदि

- 51 दिनों तक चलने वाले इस समारोह को संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय नाट्य अकादमी द्वारा आयोजित किया जा रहा है।
- थिएटर ओलंपिक्स, 2018 के अंतर्गत तकरीबन 450 कार्यक्रमों, 600 एंबेसिस प्रदर्शनों एवं दुनिया भर के 25,000 कलाकारों की भागीदारी वाले 250 युवा फोरमों के साथ 17 भारतीय नगरों की यात्रा की जाएगी।
- इस समारोह का समापन 8 अप्रैल, 2018 को मुंबई के ऐतिहासिक 'गेट वे ऑफ इंडिया' पर एक भव्य समारोह के साथ किया जाएगा।

पृष्ठभूमि

- थिएटर ओलंपिक्स की स्थापना ग्रीस (Greece) के डेलफी शहर में वर्ष 1993 में की गई थी।
- यह एक अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय थिएटर समारोह है। इसमें दुनिया भर के जाने-माने थिएटर कर्मियों की बेहतरीन कृतियों को प्रस्तुत किया जाता है।
- पहला थिएटर ओलंपिक्स का आयोजन वर्ष 1995 में ग्रीस में किया गया था।
- 7वें अंतर्राष्ट्रीय थिएटर ओलंपिक्स का आयोजन वर्ष 2016 में व्रोक्ला (पोलैंड) में किया गया था।

स्कनि इलेक्ट्रॉनिक्स

- जापान के टोक्यो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा स्वास्थ्य की नगरानी करने में सक्षम एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण 'स्कनि इलेक्ट्रॉनिक्स' विकसित किया गया है।
- मात्र एक मिलीमीटर पतले इस उपकरण को बहुत आसानी से त्वचा में फिट किया जा सकता है, जिसकी सहायता से उपकरण स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरी डेटा को एकत्रित करने का काम करता है।
- इस उपकरण को वैज्ञानिकों द्वारा चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों और मरीजों की सहायता हेतु विकसित किया गया है।

स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा अप्रैल 2016 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य भारत सरकार के मंत्रालयों/वभागों के कार्यक्षेत्र में स्वच्छता के मुद्दों और प्रथाओं पर गहनता से बल देने के लिये पखवाड़े का आयोजन करना है।

- पखवाड़ा गतिविधियों के लिये एक वार्षिक कैलेंडर पहले से ही मंत्रालयों के मध्य परचालित कर दिया जाता है।
- स्वच्छता पखवाड़ा मना रहे मंत्रालयों की स्वच्छता समीक्षा के संबंध में ऑनलाइन मॉनिटरिंग प्रणाली का उपयोग करके बहुत करीब से मॉनिटरिंग की जाती है जिस पर वे स्वच्छता गतिविधियों से संबंधित कार्य-योजनाएँ, चित्र, वीडियो अपलोड कर उन्हें साझा करते हैं।
- स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के बाद मंत्रालय/वभाग प्रेस कॉन्फ्रेंस तथा अन्य संवाद के तरीकों के माध्यम से अपनी-अपनी उपलब्धियों की घोषणा करते हैं।
- पखवाड़ा के दौरान पखवाड़ा मना रहे मंत्रालयों को स्वच्छता मंत्रालय के रूप में समझा जाता है और उनके कार्यक्षेत्र में गुणात्मक स्वच्छता सुधारों की अपेक्षा की जाती है।

कैंसर के इलाज हेतु लाइचा धान का प्रयोग

अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिये पहचाने जाने वाले छत्तीसगढ़ में धान की कई ऐसी प्रजातियाँ पाई जाती हैं जिनका उपयोग स्थानीय लोगों द्वारा औषधि के रूप में किया जाता है। छत्तीसगढ़ को 'धान के कटोरे' के रूप में भी जाना जाता है। राज्य में औषधीय धान (मेडिसिनल राइस) की सैकड़ों कस्मों पाई जाती हैं।

- छत्तीसगढ़ की प्रमुख औषधीय धान की कस्मों में गठवन, भेजरी, आलवा, लाइचा, रेसारी, नागकेसर, काली मूँछ, महाराजी, बायसुर आदि प्रमुख हैं।

कैंसर के इलाज हेतु अनुसंधान

- इस संबंध में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर मुंबई में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से कई अनुसंधान किये जा रहे हैं।
- इन अनुसंधानों में छत्तीसगढ़ की तीन औषधीय धान प्रजातियाँ गठवन, महाराजी और लाइचा में फेफड़े एवं स्तन कैंसर की कोशिकाओं को खत्म करने के गुण पाए गए हैं।
- इनमें लाइचा प्रजाति कैंसर की कोशिकाओं का प्रगुणन रोकने तथा उन्हें खत्म करने में सर्वाधिक प्रभावी साबित हुई है।
- ये तीनों प्रजातियाँ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में संगृहीत जर्मप्लाज़्म से ली गई हैं।
- इस अनुसंधान में मानव ब्रेस्ट कैंसर सेल्स (एमसीएफ-7) एवं मानव लंग कैंसर सेल्स(ए-549) के प्रगुणन को रोकने के लिये गठवन, महाराजी और लाइचा के एक्सट्रेक्ट का प्रयोग किया गया।
- अनुसंधान के नषिकर्षों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों कस्मों के मेथेनॉल में बने एक्सट्रेक्ट ने मानव ब्रेस्ट कैंसर और मानव लंग कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को न केवल रोका, बल्कि कैंसर कोशिकाओं को नष्ट भी कर दिया।